International Journal of Geography, Geology and Environment

**P-ISSN:** 2706-7483
**E-ISSN:** 2706-7491
IJGGE 2020; 2(1): 64-67
Received: 02-12-2019
Accepted: 05-01-2020

**अभिनव आनंद**
शोध छात्र, भूगोल विभाग,
मगध विश्वविद्यालय, बोध गया,
बिहार, भारत

**Dr. Sneha Swarup**
Assistant Professor,
Department of
Geography, S.S College,
Jehanabad Bihar, India

**Corresponding Author:**
**अभिनव आनंद**
शोध छात्र, भूगोल विभाग,
मगध विश्वविद्यालय, बोध गया,
बिहार, भारत

# जीवनस्तर की गुणवत्ता का भौगोलिक अध्ययन बिहार राज्य के विशेष संदर्भ में

**अभिनव आनंद, Dr. Sneha Swarup**

## सारांश
प्रस्तुत अध्ययन बिहार राज्य में वासित जनसंख्या के जीवन स्तर की गुणवत्ता का विश्लेषण प्रस्तुत करती है। राज्य के जीवन स्तर की गुणवत्ता के मापन हेतु राज्य में प्रारंभिक शिक्षा के प्रमुख केंद्रो, विद्यालयों एवं राज्य के स्वास्थ्य ढांचे की वास्तविक स्थिति का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन के उद्देश्यों को आधार प्रदान करने के उद्देश्य से सरकारी दस्तावेजों, आंकडो, एवं रिपोर्ट आदि को आधार बनाया गया है।

**कूटशब्द:** जीवनस्तर की गुणवत्ता,, वासित जनसंख्या, प्रारंभिक शिक्षा

## प्रस्तावना
जीवन स्तर की गुणवत्ता से तात्पर्य उन सभी मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता से संबद्ध होता है जिनका उपयोग मानवीय जीवन को आसान एवं समृद्ध बनाने हेतु किया जाता है। वास्तव में जीवन स्तर के प्रमुख कारक रोटी, कपड़ा और मकान ही मानवीय मूल्यो का विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। प्रत्येक राज्य अथवा राष्ट्र का प्रमुख कर्तव्य ही मानवीय जीवन स्तर की गुणवत्ता को बढ़ाना होता है। इस दिशा में राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर नागरिको के जीवन को बेहतर सुविधाओं से परिपूर्ण करने के उद्देश्य से अस्पतालों, विद्यालयों, पक्के मकानों तथा स्वस्थ एवं पौष्टिक आहार संबधी आवश्यकताओं को पूर्ण करना अति आवश्यक होता है अत समय समय पर सरकारों द्वारा इस दिशा में नवीनतम योजनाएं एवं कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इस अध्ययन के अंतर्गत बिहार राज्य में जीवन स्तर की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से पिछले कुछ दशको से हुए भौतिक परिवर्तनों को सम्मिलित किया गया है ।

## अध्ययन उद्देश्य
बिहार राज्य में जीवनस्तर की गुणवत्ता का भौगोलिक विश्लेषण करने के उद्देश्य से राज्य के स्वास्थ्य ढांचे एवं विद्यालयी ढांचे की वास्तविक स्थिति मूल्यांकन किया गया है। चूंकि बेहतर शिक्षा तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं ही जीवन स्तर की गुणवत्ता के मापन का सर्वश्रेष्ठ स्रोत माने जाते हैं।

## अध्ययन प्रविधि
अध्ययन उद्देश्य की प्राप्ति हेतु जिला सांख्यिकी पुस्तिका एवं वर्ष 2011 की जनगणना के आंकडो को आधार बनाकर विश्लेष ण विधि का प्रयोग किया

गया है। यह अध्ययन प्रमुख रूप से प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त आंकडो पर आधारित है।

## अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन क्षेत्र बिहार क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का 12 वा सबसे बड़ा प्रदेश है। वर्ष 2011 की जन गणना के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या 103,804,637 है जिसमें पुरुष जनसंख्या 54,185,347 तथा महिलाओं की जनसंख्या 49,619,290 है। राज्य का कुल क्षेत्रफल 94,163 वर्ग किलोमीटर कुल 38 जिलों में बँटा हुआ है। जो मुख्य रूप से 9 डिविजनों के अंतर्गत आते हैं। राज्य मे कुल 101 सब डिविजन तथा 534 ब्लॉक हैं।

## आंकडो का संग्रहण

**तालिका 1:** बिहार राज्य की जनगणना वर्ष 2011 (जिलावार)

| State/District | Persons | Males | Females |
|---|---|---|---|
| Bihar | 103,804,637 | 54,185,347 | 49,619,290 |
| Pashchim Champaran | 3,922,780 | 2,057,669 | 1,865,111 |
| Purba Champaran | 5,082,868 | 2,674,037 | 2,408,831 |
| Sheohar | 656,916 | 347,614 | 309,302 |
| Sitamarhi | 3,419,622 | 1,800,441 | 1,619,181 |
| Madhubani | 4,476,044 | 2,324,984 | 2,151,060 |
| Supaul | 2,228,397 | 1,157,815 | 1,070,582 |
| Araria | 2,806,200 | 1,460,878 | 1,345,322 |
| Kishanganj | 1,690,948 | 868,845 | 822,103 |
| Purnia | 3,273,127 | 1,695,829 | 1,577,298 |
| Katihar | 3,068,149 | 1,601,158 | 1,466,991 |
| Madhepura | 1,994,618 | 1,042,373 | 952,245 |
| Saharsa | 1,897,102 | 995,502 | 901,600 |
| Darbhanga | 3,921,971 | 2,053,043 | 1,868,928 |
| Muzaffarpur | 4,778,610 | 2,517,500 | 2,261,110 |
| Gopalganj | 2,558,037 | 1,269,677 | 1,288,360 |
| Siwan | 3,318,176 | 1,672,121 | 1,646,055 |
| Saran | 3,943,098 | 2,023,476 | 1,919,622 |
| Vaishali | 3,495,249 | 1,847,058 | 1,648,191 |
| Samastipur | 4,254,782 | 2,228,432 | 2,026,350 |
| Begusarai | 2,954,367 | 1,560,203 | 1,394,164 |
| Khagaria | 1,657,599 | 880,065 | 777,534 |
| Bhagalpur | 3,032,226 | 1,614,014 | 1,418,212 |
| Banka | 2,029,339 | 1,064,307 | 965,032 |
| Munger | 1,359,054 | 723,280 | 635,774 |
| Lakhisarai | 1,000,717 | 526,651 | 474,066 |
| Sheikhpura | 634,927 | 329,593 | 305,334 |
| Nalanda | 2,872,523 | 1,495,577 | 1,376,946 |
| Patna | 5,772,804 | 3,051,117 | 2,721,687 |
| Bhojpur | 2,720,155 | 1,431,722 | 1,288,433 |
| Buxar | 1,707,643 | 888,356 | 819,287 |
| Kaimur (Bhabua) | 1,626,900 | 847,784 | 779,116 |
| Rohtas | 2,962,593 | 1,547,856 | 1,414,737 |
| Aurangabad | 2,511,243 | 1,310,867 | 1,200,376 |
| Gaya | 4,379,383 | 2,266,865 | 2,112,518 |
| Nawada | 2,216,653 | 1,145,123 | 1,071,530 |
| Jamui | 1756078 | 914368 | 841710 |
| Jehanabad | 1124176 | 586202 | 537974 |
| Arwal | 699563 | 362945 | 336618 |

**तालिका 2:** बिहार राज्य में स्वास्थ्य ढांचा

| स्वास्थ्य संस्थान | आवश्यक संस्थानों की कुल संख्या | वर्तमान स्थिति में स्वास्थ्य संस्थानों की संख्या | कमी |
|---|---|---|---|
| Sub-centre उप स्वास्थ्य केंद्र | 14959 | 8858 | 6101 |
| Primary Health Centre (PHC) प्रा. स्वास्थ्य केंद्र | 2489 | 1641 | 848 |
| Community Health Centre (CHC) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र | 622 | 70 | 552 |
| Multipurpose Worker (Female)/ANM | 10499 | 9127 | 1372 |
| Health Worker (Male)/MPW (M) | 8858 | 1074 | 7784 |
| Health Assistants (Female)/LHV | 1641 | 479 | 1162 |
| Health Assistants (Male) | 1641 | 634 | 1007 |
| Doctor at PHCs | 1641 | 1565 | 76 |
| Surgeons | 70 | 28 | 42 |
| Obstetricians & Gynaecologists | 70 | 21 | 49 |
| Physicians | 70 | 38 | 32 |
| Paediatricians | 70 | 17 | 53 |
| Total specialists at CHCs | 280 | 104 | 176 |
| Radiographers | 70 | 15 | 55 |
| Pharmacist | 1711 | 439 | 1272 |
| Laboratory Technicians | 1711 | 135 | 1576 |
| Nurse Midwife | 2131 | 1425 | 706 |

**तालिका 3:** बिहार राज्य में विद्यालयी ढांचा

| जिले | विद्यालयो की कुल संख्या | | विद्यालयो की कुल संख्या (2015-16) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | वर्ष 2014-15 | वर्ष 2015-16 | राजकीय विद्यालय | Government Aided | निजी विद्यालय |
| Pashchim Champaran | 2,866 | 2,925 | 2,559 | 71 | 295 |
| Purba Champaran | 3,562 | 3,629 | 3,305 | 53 | 271 |
| Sheohar | 469 | 474 | 421 | 17 | 36 |
| Sitamarhi | 2,309 | 2,328 | 2,100 | 44 | 184 |
| Madhubani | 3,502 | 3,279 | 2,967 | 244 | 68 |
| Supaul | 1,886 | 1,917 | 1,721 | 82 | 114 |
| Araria | 2,240 | 2,320 | 1,957 | 109 | 254 |
| Kishanganj | 1,686 | 1,749 | 1,411 | 270 | 68 |
| Purnia | 2,504 | 2,587 | 2,241 | 136 | 210 |
| Katihar | 2,125 | 2,168 | 1,836 | 201 | 131 |
| Madhepura | 1,598 | 1,604 | 1,482 | 8 | 114 |
| Saharsa | 1,441 | 1,464 | 1,278 | 19 | 167 |
| Darbhanga | 2,769 | 2,796 | 2,418 | 131 | 247 |
| Muzaffarpur | 3,339 | 3,399 | 3,050 | 28 | 321 |
| Gopalganj | 2,002 | 2,043 | 1,787 | 20 | 236 |
| Siwan | 2,457 | 2,508 | 2,103 | 30 | 375 |
| Saran | 2,772 | 2,827 | 2,559 | 28 | 240 |
| Vaishali | 2,294 | 2,321 | 2,076 | 8 | 237 |
| Samastipur | 2,867 | 2,884 | 2,645 | 15 | 224 |
| Begusarai | 1,692 | 1,796 | 1,543 | 44 | 209 |
| Khagaria | 1,108 | 1,128 | 1,059 | 9 | 60 |
| Bhagalpur | 2,097 | 2,038 | 1,852 | 50 | 136 |
| Banka | 2,191 | 2,208 | 2,050 | 27 | 131 |
| Munger | 1,206 | 1,234 | 1,110 | 16 | 108 |
| Lakhisarai | 841 | 866 | 777 | 2 | 87 |
| Sheikhpura | 580 | 600 | 502 | 3 | 95 |
| Nalanda | 2,537 | 2,646 | 2,203 | 43 | 400 |
| Patna | 3,936 | 3,958 | 3,338 | 39 | 581 |
| Bhojpur | 2,236 | 2,272 | 2,027 | 28 | 217 |
| Buxar | 1,291 | 1,307 | 1,176 | 30 | 101 |
| Kaimur (Bhabua) | 1,305 | 1,306 | 1,208 | 3 | 95 |
| Rohtas | 2,573 | 2,603 | 2,110 | 33 | 460 |
| Jehanabad | 985 | 993 | 902 | 4 | 87 |
| Aurangabad | 2,297 | 2,369 | 2,116 | 9 | 244 |
| Gaya | 3,294 | 3,262 | 3,119 | 7 | 136 |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Nawada | 1,901 | 1,918 | 1,689 | 9 | 220 |
| Jamui | 1,851 | 1,848 | 1,708 | 3 | 137 |
| Arwal | 587 | 592 | 529 | 1 | 62 |
| Total Bihar | 79,196 | 80,166 | 70,934 | 1,874 | 7,358 |

## आंकडो का विश्लेषण

आंकडो के विश्लेषण से पूर्व तालिका संख्या 1 , तालिका संख्या 2 तथा तालिका संख्या 3 में दर्ज आंकडो पर ध्यान अति आवश्यक है। यहाँ तालिका 1 में दर्ज आंकड़े वर्ष 2011 के दौरान जारी जनगणना रिपोर्ट के तहत बिहार राज्य के सभी जिलों में जनसंख्या के अनुपात का वर्गीकरण प्रस्तुत करते। तालिका 1 से ज्ञात होता है कि राज्य का सर्वाधिक जनसंख्या बाहुल्य वाला जिला राज्य की राजधानी पटना जिला है जिसकी कुल जनसंख्या 5,772,804 एवं सर्वाधिक कम जनसंख्या वाला जिला शेखपुरा है जिसकी कुल जनसंख्या 634,927 है। राज्य का सर्वाधिक दशकीय वृद्धि वाला जिला मधेपुरा है जिसकी कुल जनसंख्या वृद्धिदर 30% रही तथा सबसे कम जनसंख्या वृद्धिदर वाला जिला गोपालगंज है जिसकी जनसंख्या वृद्धिदर मात्र 18.82% दर्ज की गयी।

तालिका संख्या 2 प्रस्तुत आंकड़े राज्य में स्वास्थ्य ढांचे पर प्रकाश डालते हैं। इन आंकडो का प्रमुख स्रोत मार्च 2008 में ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की रिपोर्ट पर आधारित है। प्रस्तुत आंकडो से ज्ञात होता है कि राज्य में कुल उप स्वास्थ्य केंद्रो की संख्या 8858 हैं जो आवश्यकता से 6101 कम हैं। राज्य की कुल जनसंख्या के मुताबिक उप स्वास्थ्य केंद्रो की कुल अनुमानित संख्या 14959 के करीब होनी चाहिए। इसी प्रकार राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो कुल अनुमानित संख्या 2489 होनी आवश्यक है परंतु यह स्थिति अनुमानित संख्या से 848 कम होती है और वर्तमान में इनकी कुल संख्या 1641 है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो की स्थिति पर ध्यान देने पर ज्ञात होगा कि राज्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो की वर्तमान संख्या मात्र 70 ही है जबकि अनुमानित संख्या 622 होनी आवश्यक है जो कि अनुमानित संख्या से 522 कम है। इसी प्रकार राज्य के स्वास्थ्य ढांचे में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ANM कार्यकर्ताओं, डॉक्टरों, नर्सों, विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं आशा कर्मियों की वर्तमान संख्या उनकी अनुमानित संख्या कम है जो इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही कर खाली पदों को भरने एवं नवीन स्वास्थ्य केंद्रो की स्थापना के संकेत देता है।

राज्य की शिक्षा व्यवस्था के वर्तमान स्वरूप का विश्लेषण करने हेतु तालिका संख्या 3 मे दर्ज आंकडो को समझना अत्यन्त आवश्यक है। इन आंकडो का प्रमुख स्रोत यूनिसेफ बिहार राज्य द्वारा जारी "बिहार प्रारंभिक शिक्षा- जिलेवार सांख्यिकीय रिपोर्ट" पर आधारित है। इसके तहत वर्ष 2014-15 एवं 2015-16 के दौरान राज्य में प्रारंभिक शिक्षा हेतु जिलेवार विद्यालयों की कुल संख्या में हुई बढ़ोतरी को दर्शाया गया है। आंकडो के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि राज्य में वर्ष 2014-15 के दौरान कुल विद्यालयों की संख्या 79,196 थी जो कि वर्ष 2015-16 में 80,166 हो गयी। वर्तमान स्थिति में राज्य में राजकीय विद्यालय की कुल संख्या 70,934, निजी विद्यालयों की कुल संख्या 7358 तथा सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों की कुल संख्या 1874 है।

## निष्कर्ष

अध्ययन में प्रस्तुत आंकडो से ज्ञात होता है कि राज्य में जीवन स्तर की गुणवत्ता के मापन कारकों की स्थिति अत्यन्त सुदृढ न होकर औसत दर्जे की है। राज्य का स्वास्थ्य ढांचा अस्पतालो एवं डाक्टरों की भारी कमी का सामना कर रहा है। जनसंख्या की अनुमानित संख्या के मुताबित स्वास्थ्य केंद्रो का अभाव राज्य के नागरिको के स्वास्थ्य के समक्ष एक चुनौती के रूप में उभर रहा है। इसी प्रकार राज्य में प्रारंभिक शिक्षा के प्रमुख केंद्रो के अंतर्गत राजकीय एवं निजी विद्यालयों की संख्या के अनुसार उच्च एवं गुणवत्ता परक शिक्षा का संचालन भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हालांकि समय समय पर राज्य सरकारो एवं केंद्र सरकार द्वारा इस दिशा में अनेको कार्यक्रम चलाये जाते रहे हैं परंतु राज्य की विविधताओं से परिपूर्ण भौगोलिक स्थिति भी इसका एक कारण है कि निर्धारित लक्ष्यों की शत् प्रतिशत प्राप्ति संभव नही हो पायी है। अत इस दिशा में एक ठोस कार्य नीति बनाये जाने एवं संचालन किये जाने की आवश्यकता है।

## संदर्भ सूची


1. RHS (Rural Health Statics) bulletin, march 2008, M/O helath & F. W., GOI
2. A Snapshot of Bihar Elementary Education District-wise Statistical Report U-DiSE 2015-16, UNICEF State Office for Bihar and Bihar Education Project Council
3. डॉ.अरुण यादव, बिहार का आर्थिक विकास, रुद्र प्रकाशन, 2021.
4. Neha Raj, Ravi Shekhar, Impact of internet on rural lifestyle in Bihar, India, journal of datta meghe Institute, 2020.